2022/42

फर्द अहकाम

मूलया बनाम रामफूल

नाम न्यायालय : सहायक कलक्टर, बसी

राजस्व वाद/प्रार्थना पत्र/मुकदमा नम्बर : 133/22

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	28/11/22	पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष अनुपस्थित। पत्रावली वास्ते बहस T.I. दिनांक 16/12/2022 को पेश हो।
	16/12/22	पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उप.। पत्रावली वास्ते बहस T.I. हेतु दिनांक 20/12/22 को पेश हो।
	20/12/22	पत्रावली पेश हुई वकील उभयपक्ष उप.। पत्रावली में प्रा.पत्र पर बहस सुनी गई। पत्रावली वास्ते आदेश हेतु दिनांक 27/12/22 को पेश हो।
	27/12/22	पत्रावली पेश हुयी। अधिवक्ता वादी/प्रार्थी श्री सुधीर शर्मा हाजिर। अधिवक्ता प्रतिवादी सं। लगायत 4 श्री सनातन पारीक उपस्थित। प्रतिवादी सं. 5 व 6 ना तो स्वयं उपस्थित है और ना ही उनकी ओर से कोई अधिवक्ता उपस्थित अतः अप्रार्थी सं. 5 व 6 के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जाती है। प्रार्थी व अप्रार्थी सं. 1 लगा 4 की प्रार्थना-पत्र अंतर्गत अस्थायी निषेधाज्ञा पर पूर्व में बहस सुनी जा चुकी है।

2072/212

फर्द अहकाम

मुल्या बनाम रामफूल

नाम न्यायालय सहायक कलक्टर बस्सी जिला जयपुर

केस संख्या 133/21

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		दौराने बहस जाहिर तथ्यों, न्यायिक दृष्टान्तों एवं पत्रावली मय दस्तावेजात का गहनतापूर्वक अवलोकन किया गया जिससे स्पष्ट है कि वाद-पत्र की मद संख्या-02 में वर्णित प्रसंगत भूमि में से खसरा नम्बर 98/1 पर पहले से ही ग्राम न्यायालय, बस्सी के यथास्थिति रखे जाने के आदेश है। अतः उक्त खसरा नं० 98/1 के सम्बन्ध में कोई अन्य अस्थायी आदेश दिया जाना उचित नहीं समझते। विवादग्रस्त भूमि के अन्य खसरा नम्बरान 100, 315, 414/98, 420/98, 444/98, 98/2 कुल किता 6 कुल रकबा 1.51 है० पर उभयपक्षकारान को तातफैसला वाद मौके की यथास्थिति बनाए रखने हेतु पाबंद किया जाता है। मौके की यथास्थिति इस कदर बनाये रखें कि वाद-कारण उत्पन्न होने की दिनांक 19/07/2022 को कब्जे के अनुसार काश्त करने एवं बिजली, पानी, बैंक लोन जैसी	

2021/212

फर्द अहकाम

मूल्या बनाम रामफूल

नाम न्यायालय सहायक कलक्टर बस्ती

केस संख्या 133/21

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		सुविधाओं के अतिरिक्त मौके पर अन्य परिवर्तन नहीं करेंगे। ना ही अन्य कोई नवीन निर्माण कार्य करेंगे। फैसला खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। [signature]

Scanned with OKEN Scanner